वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फ्रांस के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रवाना

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त और कार्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को फ्रांस की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रवाना हो गईं। इस दौरान कई उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेंगी, जिनका मकसद भारत और फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश, टेक्नोलाजी सहयोग एवं इनोवेशन को बढ़ावा देना है। केंद्रीय वित्त मंत्री की इस आधिकारिक यात्रा के दौरान एक अहम कार्यक्रम भारत-फ्रांस आर्थिक और वित्तीय संवाद (ईएफडी) होगा। इसकी सह-अध्यक्षता सीतारमण और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त और औद्योगिक एवं ऊर्जा संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेस्क्योर, ऐक्स-एन-प्रोवेंस में करेंगे। ईएफडी के तहत दोनों देश अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संभावित मौकों पर चर्चा करेंगे और भारत-फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री चुनिंदा ग्लोबल सीईओ के साथ आमने-सामने की बैठकें करेंगी। साथ ही वे प्रमुख बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स के साथ एक राउंडटेबल चर्चा में भी हिस्सा लेंगी, ताकि भारत के मज़बूत मैक्रो-इकोनामिक आधार, चल रहे स्ट्रक्चरल सुधारों, निवेश के बढ़ते मौकों और लंबी अवधि में विकास की संभावनाओं को दिखाया जा सके। वित्त मंत्रालय के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लेस रेन्कान्ट्रेस इकोनामिक्स डीएक्स-एन-प्रोवेंस में नए मध्यम वर्ग के विकास को कैसे बढ़ावा दें विषय पर एक पैनल चर्चा में हिस्सा लेंगी। यह यूरोप के प्रमुख सालाना मंचों में से एक है, जहां वैश्विक आर्थिक और सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर बातचीत होती है। ले सर्कल डेस इकोनामिस्ट्स द्वारा आयोजित इस मंच पर दुनियाभर से सरकार के प्रमुख, मंत्री, केंद्रीय बैंकर, कारोबारी नेता, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि इकट्ठा होते हैं, ताकि मौजूदा आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। केंद्रीय वित्त मंत्री कैडाराश में इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) परियोजना का दौरा करेंगी। आईटीईआर न्यूक्लियर फ्यूजन एनर्जी पर दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोगों में से एक है, जिसमें भारत और फ्रांस समेत 30 से ज्यादा पार्टनर देश शामिल हैं। वह कैंपस साइबर का भी दौरा करेंगी, जो फ्रांस का नेशनल हब है और साइबर सिक्योरिटी इनोवेशन, रिसर्च, स्किल डेवलपमेंट और सरकार, इंडस्ट्री एवं एकेडेमिया के बीच सहयोग के लिए समर्पित है। इस दौरे से साइबर रेजिलिएंस को मजबूत करने और डिजिटल इकानमी में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए अनुभवों और बेस्ट प्रैक्टिस के आदान-प्रदान में मदद मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्री सीतारमण प्रोवेंस-आल्प्स-कोटे डीअजूर (पीएसीए) क्षेत्र के प्रेसिडेंट रेनाड म्यूसेलियर से भी मिलेंगी और आपसी हित के क्षेत्रों जैसे इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन, क्लीन एनर्जी, टेक्नोलाजी और क्षेत्रीय आर्थिक पार्टनरशिप में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगी। इसके अलाव निर्मला सीतारमण भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ एक कम्युनिटी इवेंट के साथ अपनी आधिकारिक यात्रा का समापन करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

एस. के. सिन्हा ने गेल में निदेशक (वित्त) का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। एस. के. सिन्हा ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड में निदेशक (वित्त) का कार्यभार संभाल लिया है। वह आर. के. जैन की जगह लेंगे, जो 30 जून को सेवानिवृत्त हो गए। गेल ने एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि एस. के. सिन्हा ने भारत की प्रमुख एकीकृत ऊर्जा कंपनी, गेल (इंडिया) लिमिटेड में निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला। निदेशक मंडल में शामिल होने से पहले उन्होंने कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) के तौर पर काम किया है। इससे पहले वे कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) के रूप में कार्यरत थे। एस. के. सिन्हा 1994 में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में गेल से जुड़े थे और अब तीन दशक से अधिक के कार्यकाल के बाद निदेशक मंडल में शामिल हुए हैं। कंपनी के मुताबिक लागत एवं प्रबंधन लेखाकार (कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट) सिन्हा ने अपने कार्यकाल के दौरान कार्पोरेट वित्त, लेखांकन, कोष, कराधान, बजट, परियोजना मूल्यांकन, निवेशक संबंध और विलय एवं अधिग्रहण जैसे क्षेत्रों में कार्य किया है। गेल ने बताया कि सिन्हा ने वित्तीय प्रणालियों, कोष प्रबंधन, डिजिटलीकरण और निवेशक संबंधों से जुड़ी पहलों का नेतृत्व किया है, जिसमें एसएपी-आधारित वित्त प्रक्रियाओं तथा अन्य स्वचालन परियोजनाओं का कार्यान्वयन शामिल है। उन्होंने गेल ग्लोबल सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड और गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी सेवाएं दी हैं। कंपनी ने कहा कि सिन्हा के पास वित्तीय समझ और रणनीतिक नजरिए का बेहतरीन मेल है, जो गेल की वित्तीय मजबूती को और बढ़ाएगा और एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी के तौर पर इसके विकास में मदद करेगा। उनकी लीडरशिप में गेल ने वित्तीय रिपोर्टिंग में बेहतरीन काम, निवेशक संबंध में पहचान और शेयर होल्डर्स के लिए लगातार वैल्यू बनाने के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

फ्यूल रिटेलर नायरा एनर्जी का मानसून गिफ्ट, पेट्रोल-डीजल की कीमत में की कटौती

नई दिल्ली। देश में प्राइवेट सेक्टर की सबसे बड़ी फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल के उपभोक्ताओं को मानसून गिफ्ट देते हुए कीमत में कटौती कर दी है। पेट्रोल की कीमत में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। नायरा एनर्जी के देश भर में मौजूद 7,000 से अधिक पेट्रोल पंपों पर ये कटौती ही लागू कर दी गई है। हालांकि, पेट्रोल और डीजल की कीमत में वास्तविक कटौती अलग अलग राज्यों में लगने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) और स्थानीय करों की वजह से अलग अलग हो सकती है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट के बाद नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में कटौती का फैसला लिया है।

जीएसटी राजस्व संग्रह जून में 14 फीसदी बढ़कर 1.95 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जून महीने सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 13.9 फीसदी बढ़कर करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले महीने मई में जीएसटी राजस्व संग्रह 3.2 फीसदी बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मई में 1,94,812 करोड़ रुपये (1.95 लाख करोड़) की जीएसटी वसूली हुई है। पिछले साल इसी महीने में 1,71,105 करोड़ रुपये की वसूली हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर जीएसटी राजस्व संग्रह में 13.9 फीसदी का इजाफा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक घरेलू लेन-देन से सकल जीएसटी संग्रह 6.5 फीसदी बढ़कर लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से प्राप्त राजस्व 34.6 फीसदी बढ़कर 60,038 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला - जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशिया में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का रुख बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 136.46 अंक यानी 0.26 प्रतिशत उछल कर 52,319.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,499.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 393.58 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,213.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 210.11 अंक यानी 0.40 प्रतिशत टूट कर 52,109.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोप के तीनों प्रमुख बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,497.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,403.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 368.92 अंक यानी 1.48 प्रतिशत उछल कर 24,995.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,984 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 145.66 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूट कर 22,881.02 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 106.41 अंक यानी 1.26 प्रतिशत लुढ़क कर 8,370.07 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 361.68 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 70,424 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,599.04 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 958.31 अंक यानी 2.08 प्रतिशत उछल कर 47,084.22 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स भी शानदार बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 1.21 प्रतिशत की उछाल के साथ 5,711.30 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.08 प्रतिशत उछल कर 4,138.65 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,174.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अडाणी ग्रीन एनर्जी बनी 20 गीगावाट क्षमता हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी

नई दिल्ली

अडाणी समूह की अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) 20 गीगावाट (जीडब्ल्यू) आपरेशनल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता पार करके भारत की पहली कंपनी बन गई है। कंपनी ने इस लक्ष्य को ज्यादातर नए प्रोजेक्ट्स (ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट) के जरिए पूरा किया है। यह कंपनी सालाना 52 अरब यूनिट से अधिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन करती है।

अडाणी समूह की कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह उत्पादन भारत की कुल बिजली खपत का लगभग तीन फीसदी है। यह न्यूयार्क शहर की एक साल की बिजली जरूरत पूरी करने या मुंबई और नई दिल्ली की संयुक्त वार्षिक बिजली आवश्यकता के लगभग बराबर है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 5,051 मेगावाट नई क्षमता जोड़ी, जो चीन के बाहर किसी भी कंपनी द्वारा एक वर्ष में जोड़ी गई सबसे अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है। इस उपलब्धि पर अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा कि 20 गीगावाट का आंकड़ा पार करना दिखाता है कि अनुशासित क्रियान्वयन एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज एजीईएल अपने दक्ष दल और लंबे समय से जुड़े साझेदारों के साथ मिलकर मुंबई तथा नयी दिल्ली की संयुक्त वार्षिक बिजली आवश्यकता के बराबर नवीकरणीय बिजली उपलब्ध करा रही है। एजीईएल की योजना वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा बैटरी भंडारण क्षमता जोड़ने और अगले पांच वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 गीगावाट-घंटा करने की है। इससे कंपनी को वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। यह भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है। कंपनी स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर ग्रिड से जुड़ी सौर, पवन, हाइब्रिड और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं का विकास, स्वामित्व और संचालन करती है।

183.50 रुपये तक सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली। जुलाई के पहले दिन देश की आयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वजन वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती कर दी है। इस कटौती के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 174 रुपये से लेकर 183.50 रुपये तक सस्ता हो गया है। कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में सबसे अधिक 183.50 रुपये की कटौती दिल्ली में की गई है, जबकि कोलकाता में सबसे कम 174 रुपये की कटौती हुई है। गैस सिलेंडर के सस्ता होने से रेस्टोरेंट, ढाबा या कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल श्रेणी के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। एलपीजी गैस की कीमत में यह कटौती सिर्फ कमर्शियल श्रेणी वाले सिलेंडर में ही की गई है। घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर (रसोई गैस) के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयल मार्केटिंग कंपनी के अनुसार, कीमत में की गई कटौती के बाद दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 183.50 रुपये सस्ता होकर 3,113.50 रुपये की जगह 2,930 रुपये के भाव पर मिलने लगा है। इसी तरह मुंबई में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 182 रुपये सस्ता होकर 2,885.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,090 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है।

सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,30,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,42,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है।

जेट फ्यूल की कीमत में कटौती, सस्ता हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली

सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में प्रति लीटर पांच रुपये की कटौती कर दी है। इस कटौती के बाद राजधानी नई दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत 115 रुपये प्रति लीटर से घट कर 110 रुपये प्रति लीटर हो गई है। बल्क रेट की बात करें तो जेट फ्यूल की कीमत को 1.15 लाख रुपये प्रति किलोलीटर से घटा कर 1.10 लाख रुपये कर दिया गया है। कीमत में की गई इस कटौती से घरेलू एयरलाइंस को कुछ राहत मिलेगी।

बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट के बाद जेट फ्यूल की कीमत में कटौती करने का फैसला लिया गया है। पश्चिम एशिया में युद्ध की शुरुआत होने के बाद जेट फ्यूल की कीमत रिकार्ड लेवल यानी 1.15 लाख रुपये प्रति किलोलीटर के स्तर पर पहुंच गई थी। रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद

पहली बार इसकी कीमत में कटौती की गई है।

जेट फ्यूल यानी एटीएफ की कीमत में आमतौर पर हर महीने के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत के एवरेज रेट और रुपये तथा डालर के एक्सचेंज रेट के आधार पर बदलाव किया जाता है। हालांकि संकट अथवा आपात स्थिति में जेट फ्यूल की कीमत में कभी भी बढ़ोतरी की जा सकती है। जानकारों का कहना है कि एयरलाइंस के आपरेटिंग कास्ट में सबसे बड़ा हिस्सा जेट फ्यूल का ही होता है। ऐसे में जेट फ्यूल की कीमत में कटौती होने से एयरलाइंस को आपरेटिंग कास्ट के मामले में काफी राहत मिलेगी। एयरलाइंस का आपरेटिंग कास्ट घटने पर हवाई सफर करने वाले मुसाफिरों को भी राहत मिल सकती है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि पश्चिम एशिया में तनाव घटने और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते कच्चे तेल की आवा-जाही कुछ हद तक शुरू हो जाने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में बना डर का माहौल कम होने लगा है। तनाव कम होने के कारण कच्चे तेल की कीमत में भी लगभग 40 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई है अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल अभी 70 डालर प्रति बैरल से लेकर 73 डालर प्रति बैरल के बीच कारोबार कर रहा है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में इसकी कीमत में लगभग 10 डालर प्रति बैरल तक की और गिरावट आ सकती है। ऐसा होने पर जेट फ्यूल के साथ ही पेट्रोल और डीजल जैसे दूसरे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में भी कटौती हो सकती है। वैष्णव का कहना है कि नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल को सस्ता कर कीमत में कटौती करने की शुरुआत कर दी है। अब सबकी नजर सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों पर टिकी है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियां भी पेट्रोल और डीजल जैसे दूसरे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में कटौती करने का फैसला कर लें।